मोड़ के बाद

(आदिवासी जीवन पर आधारित एक प्रेम प्रसंग)

निर्मल तिग्गा

मोड़ के बाद

मोड़ के बाद

निर्मल तिग्गा

अनुज्ञा

वैधानिक चेतावनी

पुस्तक के किसी भी अंश के प्रकाशन, फोटोकॉपी, इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में उपयोग के लिए लेखक व प्रकाशक की लिखित अनुमति आवश्यक है। पुस्तक में प्रकाशित आलेख/आलेखों के सर्वाधिकार मूल रचनाकार/रचनाकारों के पास सुरक्षित हैं। पुस्तक में व्यक्त विचार पूर्णतया लेखक/लेखकों अथवा संपादक/संपादकों के हैं। यह जरूरी नहीं है कि प्रकाशक इन विचारों से पूर्ण या आंशिक रूप से सहमति रखे। किसी भी विवाद के लिए न्यायालय, दिल्ली ही मान्य होगा।

© लेखक

प्रथम संस्करण : 2025

ISBN 978-81-978606-0-7

प्रकाशक

अनुज्ञा बुक्स

1/10206, लेन नं. 1E, वेस्ट गोरख पार्क, शाहदरा, दिल्ली-110 032

e-mail : anuugyabooks@gmail.com • salesanuugyabooks@gmail.com

फोन : 011-45506552, 7291920186, 9350809192

https://anuugyabooks.com

आवरण

मिस एलिस कुजूर

अनुज्ञा बुक्स, दिल्ली द्वारा मुद्रित

MODE KE BAAD

Tribal based Novel *by* ***Nirmal Tigga***

पिता
स्व. यूजिन तिग्गा
को समर्पित

दो शब्द

श्री निर्मल तिग्गा एक रचनाशील और सफल कथाकार हैं। जशपुर, जो वृहत् झारखंड का हिस्सा माना जाता रहा है, अद्भुत प्राकृतिक सौंदर्य से आच्छादित है। यहाँ के लोग शांति, प्रेम और सरल जीवन शैली के लिए जाने जाते हैं। इसी क्षेत्र में 'कुनकुरी' और 'गिनाबहार' नामक दो कस्बे अपने-अपने ढंग से विकसित और प्रसिद्ध हो रहे हैं।

बीसवीं सदी के आरंभिक काल में, रांची के बाद जशपुर में भी ईसाई मिशनरियों ने अपनी संस्था का पहला स्कूल खोलकर शिक्षा का दीप जलाया। इसी संस्था और स्कूल से सबसे पहले 'चोन्हास' और 'बिल्चदन' ने शिक्षा प्राप्त की थी। इसके पहले, इस क्षेत्र में कोई भी पढ़ा-लिखा व्यक्ति नहीं था। ईसाई मिशनरियों ने ही सन् 1912 ई. में 'कुनकुरी' में लड़कों के लिए स्कूल और 'गिनाबहार' में लड़कियों के लिए मिशनरी स्कूल की स्थापना की।

'कुनकुरी' का 'लोयला' स्कूल प्रसिद्ध था, और इसका छात्र अनमोल फुटबॉल का हीरो (कप्तान) था। वहीं गर्ल्स मिशन हायर सेकेंडरी स्कूल, गिनाबहार की छात्रा दीपा बैडमिंटन चैंपियन थी। अनमोल का सुदृढ़ शरीर और हंसमुख चेहरा था, दीपा भी बेहद सुंदर और आकर्षक थी। वे दोनों पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद में भी उत्कृष्ट थे। ऐसे प्रतिभाशाली युवक-युवती का एक-दूसरे की ओर आकर्षित होना स्वाभाविक था।

अनमोल दीपा को चाहता था, और दीपा को अनमोल प्रिय था। इन्हीं दो पात्रों के चरित्र और जीवन के मोड़ों पर आधारित है यह उपन्यास 'मोड़ के बाद', जो ईसाई और आदिवासी रीति-रिवाज, संस्कृति और धर्म पर आधारित एक सामाजिक उपन्यास है।

एक बार अनमोल की कप्तानी में गुमला की टीम के खिलाफ फुटबॉल का फाइनल खेला जा रहा था। हाफ टाइम के दौरान, गुमला टीम के एक खिलाड़ी ने अनमोल को धक्का देकर गिरा दिया, जिससे उसके घुटने में गहरी चोट आई। तुरंत अनमोल को स्थानीय अस्पताल, हॉलिक्रॉस हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ में केवल केरल की युवतियाँ थीं, वे परियों की